Ques- बाबरनामा पर एक संक्षिप्त नोट लिखें।
Write a short note on Babernama.
अथवा- भारत विजय के समय की आर्थिक तथा सामाजिक दशा का बाबर ने क्या विवरण दिया है?
What Condition does Babar give of the Social and Economical Condition in India at the time of his Conquest.

Ans- बाबर अपने समय में एक महान सेनानी के साथ ही साथ एक योग्य कलाकार भी था। संसार में बाबर का नाम उसकी विजय के अपेक्षा उसकी कलम के कारण प्रसिद्ध है। युद्ध की दृष्टि से संसार में नेपोलियन, सिकन्दर, सीजर जैसे महान योद्धा हुए। परन्तु बाबर अपने युद्धों की अपेक्षा अपने प्रसिद्ध ग्रन्थ "बाबरनामा" से अधिक जाना जाता है। यह संसार की सर्वश्रेष्ठ पुस्तकों में गिनी जाती है।

भाषा एवं शैली — बाबर नामा संसार की सर्वश्रेष्ठ आत्मकथाओं में से मानी जाती है। यह सुन्दर तुर्की भाषा में लिखी गई है। लेनपूल ने इसकी बड़ी प्रशंसा की है। रहीम खानखाना ने इसका फारसी में अनुवाद किया, बेवरिज ने इसका अंग्रेजी में अनुवाद किया। बाबर की आत्मकथा रूसो के Confessions या गिब्बन, न्यूटन या आगस्टीन की आत्मकथाओं से भी सुन्दर मानी जाती है।

रिक्तता (Gaps) बाबर नामा में कुछ काल के बारे में कोई वर्णन नहीं है। इसको हम Gaps कह सकते हैं। सम्भवतः आग लगने या युद्धों के कारण कुछ समय का लिखा इतिहास नष्ट हो गया। 1508-1509 ई० तक, 1520-1525 ई० व 1529-1530 तक तीन अन्तरों का बाबरनामा में कोई वर्णन नहीं है।

बाबर का वर्णन — इस ग्रन्थ में बाबर ने अपने जीवन

का वर्णन आरम्भ से अन्त तक किया है। इसमें बाबर ने भारत की तत्कालीन सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिस्थितियों का भी सुन्दर वर्णन किया है।

राजनीतिक दशा — के बारे में उसने लिखा है कि भारत में सात बड़े राज्य हैं। दो प्रमुख हिन्दू राज्य बड़े शक्तिशाली हैं जिनमें से उसने हिन्दुओं में राणा सांगा व विजयनगर के कृष्णदेव राय का वर्णन किया है। इब्राहिम लोदी एवं उसकी सेना के बारे में भी उसने वर्णन किया है।

वह सम्पूर्ण युद्धों का बड़े विस्तार से अपनी काव्यमय भाषा में वर्णन करता है। उसने यहाँ की सामाजिक व आर्थिक दशा का भी वर्णन किया है। हालांकि उसकी बहुत सी बातें गलत भी हैं। जैसे उसने कहा कि भारत के लिए कुछ सुन्दर नहीं है। यहाँ के लोगों में प्रतिभा की कमी है।

सामाजिक जीवन — की दृष्टि से उसने बहुत कुछ लिखा है। उसके अनुसार यहाँ के मकान खुले व हवादार नहीं हैं। यहाँ नगर शानदार नहीं हैं।

किसान तथा निम्न वर्ग के लोग प्रायः अधनंगे फिरते हैं। वे लोग लंगोटी पहनते हैं। स्त्रियां भी लंहगा बाँधती हैं जिसका आधा भाग कमर के चारों ओर बंधा रहता है और आधा भाग सिर पर रहता है।

बाबर के वर्णन से यहाँ के आर्थिक जीवन एवं जलवायु का भी पता चलता है। वह यहाँ के किसानों एवं श्रमजीवी वर्ग का भी वर्णन करता है। उसके अनुसार यहाँ असंख्य श्रमजीवी मिलेंगे। वे प्रायः परम्परागत पेशा ही करते हैं।

वास्तव में बाबर का बहुत सा वर्णन निरर्थक है। सम्भवतः वह भारत का अच्छी तरह वर्णन

न कर सका, तो भी जो कुछ उसने देखा, उसका वर्णन किया है। अतः बाबरनामा का महत्व कम नहीं होता।

महत्व – बाबरनामा के महत्व के बारे में अनेक इतिहासकारों ने प्रकाश डाला है। डेविसन रास ने भी लिखा है – "बाबर की आत्म कथा सम्पूर्ण साहित्य में, एक अद्भुत एवं महत्वपूर्ण स्थान रखती है।"

इसकी महत्ता आने वाले साम्राज्यों में परस्पर, जिसका आरम्भ बाबर से ही हुआ था, कहीं भी दृष्टिगोचर नहीं होती। फरात के तट पर आक मंगोलों के नाम का प्रस्ताव भी समाप्त हो चुका। तुर्क आज रूसियों का है। तिमूर के वंश के अन्तिम भारतीय बादशाह ने भी अपना अपमान पूर्ण जीवन रंगून में समाप्त कर दिया है पर वह बाबरनामा अमर है।